₹ 30/-

साहित्य अमृत

RNI No. 62112/95

जून 2025 • साहित्य एवं संस्कृति का संवाहक • मासिक • पृष्ठ 84 • ISSN 2455-1171

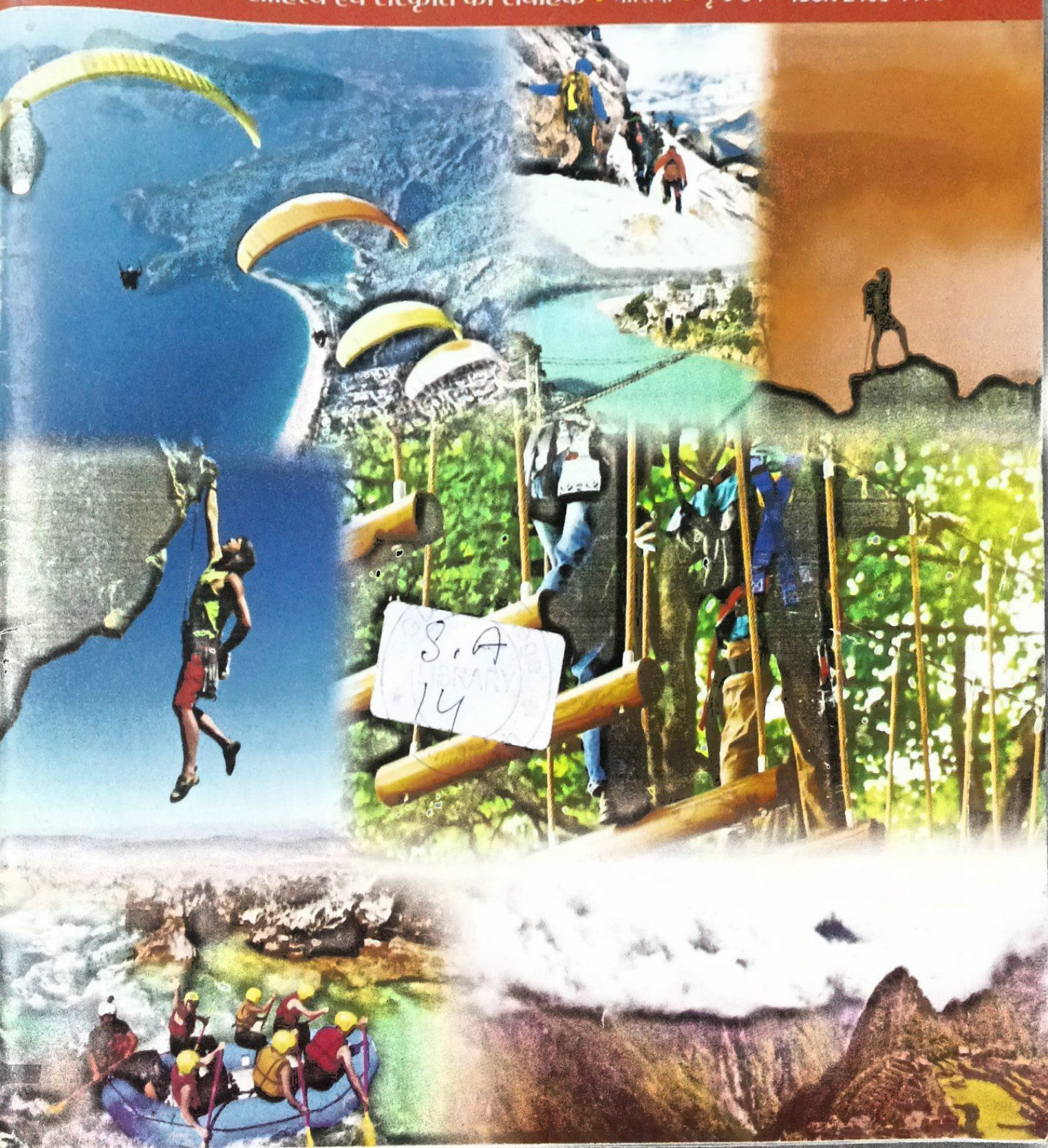

साहित्य अमृत

मासिक

ज्येष्ठ-आषाढ़, संवत्-२०८२ • जून २०२५

वर्ष-३० • अंक-११ • पृष्ठ ८८ | यू.जी.सी.-केयर लिस्ट में सूचीबद्ध | RNI No. 62112/95 | ISSN 2455-1171

संस्थापक संपादक

पं. विद्यानिवास मिश्र

~•~

निवर्तमान संपादक

डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

~•~

संस्थापक संपादक (प्रबंध)

श्री श्यामसुंदर

~•~

प्रबंध संपादक

पीयूष कुमार

~•~

संपादक

लक्ष्मी शंकर वाजपेयी

~•~

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

~•~

उप संपादक

उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी'

~•~

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-०२

फोन : ०११-२३२८९७७७

०८४४८६१२२६९

इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

~•~

शुल्क

एक अंक—₹ ३०

वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००

वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००

विदेश में

एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)

वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

~•~

साहित्य अमृत के बैंक खाते का विवरण

बैंक ऑफ इंडिया

खाता सं. : 600120110001052

IFSC : **BKID0006001**

~•~

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी पीयूष कुमार द्वारा ४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२ से प्रकाशित एवं न्यू प्रिंट इंडिया प्रा.लि., ८/४-बी, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-IV, गाजियाबाद-२०१०१० द्वारा मुद्रित।

इस अंक में

✍ संपादकीय

हम एक हैं ४

✍ प्रतिस्मृति

दत्तक पिता/ *मृदुला सिन्हा* ६

✍ कहानी

सत्तरवें पड़ाव का सच/ *राकेश चक्र* १०

अभागा शिशु/ *पूजा गुप्ता* १६

अनुराग/ *विनीता 'देवहूति'* २६

बसंती दादी/ *मनमोहन गुप्ता* ३४

कारे मेघा पानी दे/ *रेणुका अस्थाना* ४०

पंक्ति/ *प्रमिला मजेजी* ५६

✍ लघुकथा

अवसर/ *रचना गौड़ 'भारती'* २७

भ्रम/ *रचना गौड़ 'भारती'* ३२

✍ आलेख

रसोई के मसालों में छुपा रोग-रक्षा विज्ञान / *डी.डी. ओझा* १४

प्रवासी साहित्य और साझी संस्कृति/ *दिविक रमेश* १९

भारतीय वायुसेना में नवाचार की विजय/ *ए.के. गांधी* ४२

आधुनिक हिंदी आलोचना में भारतेंदु का योगदान/ *अरुण भारद्वाज* ६०

✍ कविता

पहलगाम का दर्द/ *विक्रम सिंह* १८

पहलगाम आतंकी घटना का प्रतिकार/ *श्रीधर द्विवेदी* २४

जगती जिसका वंदन करती/ *पद्मा मिश्रा* २९

प्रश्नों का सागर/ *भूपेंद्र भारतीय* ३९

बातें कौशांबी की/ *प्रियांशु निर्मल* ४४

द्रौपदी : मेरी नज़र में/ *उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी'* ४८

झूठा ही सही/ *संदीप राशिनकर* ५५

एक लेना न एक देना/ *चंद्रपाल मिश्र 'गगन'* ५९

लटके हैं जो/ *शिवानंद सिंह 'सहयोगी'* ६३

तीन गज़लें/ *अजीज अंसारी* ६७

✍ राम झरोखे बैठ के

सपने देखने का सुख/ *गोपाल चतुर्वेदी* ३०

✍ ललित निबंध

नदी में जीवन, जीवन में नदी/ *सन्त* ३६

✍ पुस्तक अंश

एल.ओ.सी. की जिंदगी/ *सतीश दुआ* ४५

✍ व्यंग्य

कोट और विचार/ *सूर्य प्रकाश मिश्र* ५०

✍ साहित्य का भारतीय परिपार्श्व

आशाएँ जो जनमी नहीं!/ *शिवशंकरी* ५२

✍ संस्मरण

साहित्य यात्रा के पथ-प्रदर्शक वृंदावनलाल वर्मा / *एम.डी. मिश्रा 'आनंद'* ६४

✍ साहित्य का विश्व परिपार्श्व

चौहद्दी के पार/ *रुडयार्ड किपलिंग* ६८

✍ यात्रा-संस्मरण

वृंदावन की कुंज गलियन में/ *रुक्मणी संगल* ७१

✍ बाल-संसार

वन हैं तो हम हैं/ *घमंडीलाल अग्रवाल* ७४

✍ लोक साहित्य

आदिवासी समाज में रामकथा/ *संजय कृष्ण* ७६

—— • ——

✍ पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ७९

✍ वर्ग-पहेली ८०

✍ साहित्यिक गतिविधियाँ ८१

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।